अमेरिका की थोपी गई शर्तें मंजूर नहीं : पीयूष

भारत साझेदार देशों की सीमित शर्तें अस्वीकार करेगा

रूस से तेल खरीद पर बाहरी दबाव ठुकराया

बर्लिन/नई दिल्ली, 24 अक्टूबर. वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि भारत किसी भी व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने में जल्दबाजी नहीं करेगा. उन्होंने यह भी कहा कि देश उन साझेदार देशों की शर्तों को अस्वीकार कर देगा जो भारत के व्यापारिक विकल्पों को सीमित करती हैं.

गोयल ने बर्लिन ग्लोबल डायलॉग में बोलते हुए ये टिप्पणियाँ कीं और जोड़ा कि नई दिल्ली एक मापा दृष्टिकोण अपनाएगी. उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब रूस से भारतीय कच्चे तेल के आयात को लेकर कई देशों ने चिंताएं व्यक्त की हैं. उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि व्यापार सौदे केवल टैरिफ या बाजार पहुँच के बारे में नहीं हैं, बल्कि संबंध, विश्वास और वैश्विक व्यापार सहयोग के लिए टिकाऊ ढाँचे के निर्माण के बारे में भी हैं.

अमेरिका और यूरोपीय संघ से वार्ता

गोयल ने गुरुवार को दूरदर्शन के साथ एक बातचीत में बताया कि भारत और अमेरिका के बीच सक्रिय चर्चाएँ चल रही हैं, जिसमें दोनों पक्षों की टीमें सहयोग कर रही हैं. वाणिज्य सचिव ने हाल ही में एक निष्पक्ष और संतुलित व्यापार समझौते की दिशा में प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी समकक्षों से मुलाकात की थी .उन्होंने कहा, हम अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे हैं. हमारी टीमें जुटी हुई हैं, और वार्ता प्रगति कर रही है. हमें उम्मीद है कि निकट भविष्य में एक निष्पक्ष और न्यायसंगत समझौते पर काम करेंगे .

रूसी तेल खरीद और अमेरिकी टैरिफ का संदर्भ- गोयल ने अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ताओं का संकेत देते हुए कहा, यह बहुत ही अल्पकालिक संदर्भ में, अगले छह महीनों में क्या होने वाला है, इसके बारे में नहीं है. यह सिर्फ अमेरिका को स्टील बेचने में सक्षम होने के बारे में नहीं है. यह टिप्पणी तब आई है जब नई दिल्ली वाशिंगटन के साथ एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रही है. अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की ओर से रूसी तेल की लगातार खरीद जारी रखने के कारण भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाया था, जिसमें से 25 प्रतिशत इसी खरीद से जुड़ा था.

मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि भारत का व्यापार वार्ताओं के प्रति दृष्टिकोण तत्काल लक्ष्यों को पूरा करने के दबाव से प्रेरित नहीं है, बल्कि एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण से है. उन्होंने कहा, व्यापार सौदे लंबी अवधि के लिए होते हैं. यह केवल टैरिफ के बारे में नहीं है, यह विश्वास और एक रिश्ते के बारे में भी है. व्यापार सौदे व्यवसायों के लिए भी होते हैं.

भारत यूरोपीय संघ के साथ भी एक लंबे समय से लंबित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है. ब्रुसेल्स में 14वें दौर की बातचीत के बाद भी मतभेद बने हुए हैं.

इस्पात की कीमतें पांच साल के निचले स्तर पर

नयी दिल्ली, 24 अक्टूबर. घरेलू इस्पात की कीमतें पांच साल के निचले स्तर पर आ गई हैं और 47,000-48,000 रुपये प्रति टन के दायरे में कारोबार कर रही हैं. बढ़ते आयात सहित कई कारकों के कारण कीमतें प्रभावित हुई हैं.परामर्श सेवाएं देने वाली बिगमिंट के बाजार आंकड़ों के अनुसार, थोक बाजार में हॉट रोल्ड कॉइल (एचआरसी) की कीमतें 47,150 रुपये प्रति टन के आसपास जबकि री-बार (टीएमटी) की कीमतें 46,500-47,000 रुपये प्रति टन के दायरे में हैं. पिछली बार कीमतें इस स्तर पर 2020 में थीं, जब वैश्विक महामारी की मंदी के बीच एचआरसी 46,000 रुपये प्रति टन के स्तर पर और री-बार 45,000 रुपये प्रति टन पर कारोबार कर रहा था.

त्योहारी सीजन में खुदरा बिक्री रिकॉर्ड ऑल-टाइम हाई पर

सीतारमण ने कहा- नीतियाँ दे रही हैं ठोस परिणाम

'जीएसटी बचत उत्सव' को बताया डबल दीपावली

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत में त्योहारी सीजन की खुदरा बिक्री ने इस वर्ष अपना ऑल-टाइम हाई रिकॉर्ड बना लिया है. उन्होंने इसे जीएसटी दरों में कमी सहित हालिया आर्थिक नीतियों के प्रभावी होने का स्पष्ट संकेत बताया.

गाजियाबाद में एक सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के दौरान बोलते हुए, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों का लक्ष्य इस प्रणाली को और अधिक कुशल, न्यायसंगत और विकास-केंद्रित बनाना है. उन्होंने जोर देकर कहा, मुझे विश्वास है कि निरंतर सुधारों, समर्पण और टीम वर्क के साथ, हम राजस्व, अनुपालन और सेवा वितरण में नई ऊंचाइयों को छुएंगे.

रिकॉर्ड-तोड़ दीपावली कारोबार- कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के आंकड़ों के अनुसार, इस दीपावली के दौरान खुदरा बिक्री 6.05 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई, जो पिछले साल के 4.25 लाख करोड़ रुपए से 25% अधिक है. कुल बिक्री में 5.40 लाख करोड़ रुपए वस्तुओं पर और 65,000 करोड़ रुपए सेवाओं पर खर्च किए गए, जिसने इसे भारत के व्यापारिक इतिहास का सबसे बड़ा दीपावली कारोबार सीजन बना दिया.

वित्त मंत्री ने इन आंकड़ों पर टिप्पणी करते हुए कहा, ये आंकड़े हमें बताते हैं कि हमारी आर्थिक नीतियों, जिसमें हाल ही में जीएसटी दरों को कम करना भी शामिल है, का सार्थक प्रभाव पड़ रहा है.

ईमानदार करदाताओं का सम्मान

उन्होंने अधिकारियों से सुधारों की गति बनाए रखने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि जीएसटी की अगली पीढ़ी में ईमानदार करदाताओं का जीवन आसान बनाना अंतिम लक्ष्य होना चाहिए . उन्होंने कहा, करदाताओं को यह महसूस होना चाहिए कि उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जा रहा है .वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए जीएसटी बचत उत्सव की सराहना करते हुए इसे डबल दीपावली बताया . इस दौरान, ई-कॉमर्स ने भी शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें वॉल्यूम में सालाना आधार पर 24 और सकल व्यापारिक मूल्य में 23 की वृद्धि दर्ज की गई .

सोने की कीमत में तेजी

24 कैरेट 12,546 प्रति ग्राम

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर. दिवाली के बाद भी सोने की कीमत में तेजी बनी हुई है. 24 कैरेट सोने का भाव भारत में 12,546 प्रति ग्राम पर पहुँच गया है. वहीं, चांदी में गिरावट जारी है और 1 किलो चांदी का भाव आज 1,56,000 है.

निवेशक शहरों के अनुसार सोना और चांदी खरीदने के लिए लेटेस्ट रेट जानना चाहते हैं. भारत में सोने और चांदी की कीमतों में आज महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला. 24 कैरेट सोने में 38 प्रति ग्राम की तेजी आई है और इसका भाव 12,546 प्रति ग्राम पर पहुँच गया है. 22 कैरेट सोने का भाव 11,500 प्रति ग्राम और 18 कैरेट सोना 9,409 प्रति ग्राम पर मिल रहा है.

चांदी के रेट में गिरावट जारी है.100 ग्राम चांदी का भाव 15,600 और 1 किलो चांदी 1,56,000 में उपलब्ध है. यह गिरावट पिछले कुछ दिनों से जारी है, नोएडा और गाजियाबाद में 24 कैरेट सोना 12,561, 22 कैरेट 11,515 और 18 कैरेट 9,424 पर मिल रहा है. पटना में 24 कैरेट सोना 12,527, 22 कैरेट 11,505 और 18 कैरेट 9,414 पर उपलब्ध है.

शेयर बाजार में गिरावट जारी

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर. शेयर बाजार में आज निवेशकों ने प्रॉफिटबुकिंग जारी रखी, जिससे प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान में बंद हुए. सेंसेक्स 344 अंक टूटकर 84,211.88 पर और निफ्टी 96 अंक की गिरावट के साथ 25,795.15 पर बंद हुआ. बाजार में , बैंकिंग, फार्मा और ऑटो सेक्टर में दबाव नजर आया. आज शेयर बाजार में निवेशकों का रुख बेचाव की ओर रहा, जिससे प्रमुख इंडेक्सों में गिरावट दर्ज की गई. शुक्रवार को सेंसेक्स 84,667.23 के स्तर पर 110 अंकों की तेजी के साथ खुला, जबकि निफ्टी 50 इंडेक्स 25,935.10 के स्तर पर 43 अंकों की बढ़त के साथ खुला. लेकिन कारोबार के दौरान निवेशकों ने प्रॉफिट बुकिंग की.

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने पकड़ी रफ्तार

पीएमआई दो महीने के उच्च स्तर 58 .4 पर पहुँचा

घरेलू मांग और लागत नियंत्रण से उत्पादन बढ़ा

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर. भारत की विनिर्माण गतिविधियों में अक्टूबर माह में जबरदस्त तेजी दर्ज की गई है. एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) बढ़कर दो महीने के उच्चतम स्तर 58.4 पर पहुंच गया है, जो सितंबर में 57.7 था.

यह आंकड़ा देश के औद्योगिक क्षेत्र में मांग, उत्पादन और रोजगार के मोर्चे पर मजबूती का संकेत देता है.एसएंडपी ग्लोबल द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की वृद्धि का मुख्य कारण मजबूत घरेलू मांग और इनपुट लागत पर नियंत्रण है. रिपोर्ट में कहा गया कि नए ऑर्डरों में बढ़ोतरी, उत्पादन में विस्तार और रोजगार के स्थिर स्तर ने व्यावसायिक माहौल को और सुदृढ़ किया है.

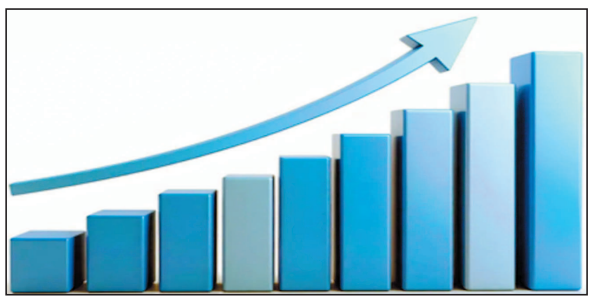

एचएसबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल में जीएसटी दरों में की गई कटौती से घरेलू मांग को बल मिला है और कंपनियों को लागत नियंत्रण में मदद मिली है. एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि अक्टूबर में पीएमआई में आई बढ़ोतरी का एक प्रमुख कारण कर दरों में यह कटौती रही, जिससे उपभोक्ता मांग और उत्पादन गतिविधियों दोनों को प्रोत्साहन मिला. हालांकि, रिपोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिकी टैरिफ के कारण निर्यात से जुड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं. अमेरिकी बाजार से ऑर्डरों में कमी आने से नए निर्यात ऑर्डर और भविष्य के बिजनेस आशावाद पर दबाव देखा जा रहा है.

ताइवान का औद्योगिक उत्पादन बढ़ा

ताइपे, 24 अक्टूबर. एआई की मजबूत मांग के दम पर ताइवान का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक सितंबर 2025 में सालाना आधार पर 15.48% बढ़कर 115.38 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया.

आर्थिक मामलों के मंत्रालय के अनुसार, विनिर्माण उत्पादन सूचकांक 16.90% बढ़ा, जिसने लगातार 19वें महीने की वृद्धि दर्ज की. पूरे वर्ष 2025 के लिए विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में 2024 की तुलना में 10% से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है.

अर्थव्यवस्था पर असर नहीं पड़ेगा : पुतिन

अमेरिका ने रूस की दो तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए

प्रतिबंधों को बताया रूस पर दबाव की कोशिश

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर. अमेरिका ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल उत्पादक कंपनियों, रोसनेफ्ट और लुकोइल, पर प्रतिबंध लगा दिए हैं. यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब राष्ट्रपति ट्रंप और पुतिन के बीच प्रस्तावित मुलाकात रद्द हो चुकी है.

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका की इस कार्रवाई पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ये प्रतिबंध रूस पर दबाव बनाने का प्रयास हैं, लेकिन इनका रूसी अर्थव्यवस्था पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा. उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी स्वाभिमानी देश दबाव में आकर काम नहीं करता.

रद्द हुई ट्रंप-पुतिन बैठक

रद्द हुई बैठक के संबंध में राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, बातचीत हमेशा टकराव से, विवादों से, या युद्ध से भी बेहतर होती है . उन्होंने हमेशा बातचीत जारी रखने का समर्थन किया है .पुतिन ने इस बात पर जोर दिया कि अपेक्षित परिणाम के बिना बैठक करना दोनों नेताओं के लिए एक गलती होती . उन्होंने बताया कि शिखर सम्मेलन का प्रस्ताव वाशिंगटन ने ही रखा था, लेकिन अब ट्रंप ने इसे स्थगित करने का फैसला किया है .

टेस्ला, ऐप्पल और निनटेंडो के नए सौदों से घाटे में बड़ी कमी

सियोल, 24 अक्टूबर. कोरियन हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के फाउंड्री व्यवसाय को टेस्ला की अगली पीढ़ी की एआई 6 चिप (16.5. बिलियन डॉलर का सबसे बड़ा एकल-ग्राहक अनुबंध) के साथ-साथ अब एआई5 चिप के निर्माण का भी ऑर्डर मिला है. एआई5 चिप का बड़े पैमाने पर उत्पादन 2026 में शुरू होगा. टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने पुष्टि की किएआई 5 चिप का निर्माण टेक्सास में सैमसंग और एरिजोना में TSMC दोनों द्वारा किया जाएगा.

पतंजलि इमरजेंसी हॉस्पिटल का शुभारंभ

दिल्ली-एनसीआर में एम्स से भी बड़ा कोऑपरेट अस्पताल जल्द : स्वामी रामदेव

हरिद्वार, 24 अक्टूबर.पतंजलि योगपीठ में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त पंतजलि इमरजेंसी एण्ड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल का गुरुवार को यज्ञ-अग्निहोत्र के साथ अनौपचारिक प्रारंभ किया गया. यह उद्घाटन स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की उपस्थिति में किया गया, जिसे चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में एक नए इतिहास का सूत्रपात बताया जा रहा है.

इस अवसर पर बोलते हुए स्वामी रामदेव ने घोषणा की कि हरिद्वार में यह अस्पताल मात्र एक शुरुआत (बीजारोपण) है. उन्होंने कहा कि दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में जल्द ही इस व्यवस्था का एक बड़ा स्वरूप सामने आएगा, जो एम्स, अपोलो या मेदांता से भी विशाल होगा.

समाचार विशेष

यादवों की जमीन पर मल्लाह बनाम मल्लाह

औराई सीट पर रोचक हुआ मुकाबला

मुजफ्फरपुर. बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार कई चीजें अप्रत्याशित हो रही हैं. सीटों का बंटवारा जिस तरह से हुआ वह राजनीतिक विशेषज्ञों को भी अचंभित कर रहा है. जिले की औराई सीट सिंबल वितरण से लेकर नामांकन तक चर्चा में आया. यहां सीटिंग विधायक रामसूरत राय का टिकट काट भाजपा ने कांग्रेस से घर वापसी किए अजय निषाद की पत्नी रमा निषाद को उतारा.

वहीं आइएनडीआइए में सिंबल को लेकर नामांकन के एक दिन पहले तक सस्पेंस रहा. अंत में सीट वीआइपी के खाते में आई और भोगेंद्र सहनी प्रत्याशी बनाए गए. इसके साथ ही यदुवंशियों की इस सीट पर दो निषादों के संग्राम की पटकथा लिख दी गई. वर्ष 1967 में औराई विधानसभा के गठन के बाद से यह पहला मौका है जब यहां पक्ष या मुख्य विपक्ष में यादव उम्मीदवार नहीं हैं. यही नहीं वर्ष 2000 के बाद से यहां मुख्य दोनों दलों या गठबंधन से यादव प्रत्याशी ही रहते थे. इस चुनाव में दोनों गठबंधनों से मल्लाह प्रत्याशी हैं.

यादव उम्मीदवारों को मौका नहीं मिला

आइएनडीआइए के घटक दल राजद से कई यादव उम्मीदवार लाइन में थे, मगर उन्हें मौका नहीं मिला . राजद कोटे से सीट बाहर हो गई . इससे अर्जुन राय और सुरेंद्र कुमार में से कोई मैदान में नहीं आ सके . यदुवंशियों का मुख्य मुकाबले से बाहर होने से यहां यही चर्चा है कि उनकी एक सीट छिन गई . जन क्रांति मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक डा . उमा शंकर सहनी कहते हैं, राजनीति में त्रिवेणी (यादव, कुर्मी व कुशवाहा) का संगम कांग्रेस की उपज रही .

भाजपा का प्रचार भोजपुरी कलाकारों के हवाले

पटना. भारतीय जनता पार्टी ने बिहार में चुनाव प्रचार का जिम्मा भोजपुरी कलाकारों के हवाले किया है. पार्टी ने स्टार प्रचारकों की जो सूची जारी की है उसमें बिहार और उत्तर प्रदेश के भाजपा से जुड़े सारे भोजपुरी कलाकारों के नाम हैं.

कई बड़े नेताओं के नाम छूट गए हैं लेकिन भोजपुरी कलाकार नहीं छूटे हैं. एक लोक गायिका मैथिली ठाकुर को तो भाजपा ने चुनाव ही लड़ा दिया. वे बिहार की हैं लेकिन उनका बिहार से कोई लेना देना नहीं है. तभी उनके भाजपा ज्वाइन करने के बाद से ही उनका विरोध शुरू हो गया. फिर भी भाजपा ने उनको टिकट देकर चुनाव में उतारा. अब भी उनका विरोध जारी है, जिससे उनके चुनाव जीतने पर प्रश्नचिन्ह लगा हुआ है.

बहरहाल, भाजपा ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची में पवन सिंह को भी शामिल किया है, जो कुछ दिन पहले ही भाजपा से जुड़े. पहले उनके चुनाव लड़ने की चर्चा थी लेकिन अब कहा जा रहा है कि चुनाव के बाद उन्होंने एडजस्ट किया जाएगा.

रिजल्ट तय करेगा मुस्लिम राजनीति का भविष्य?

पटना. कोचाधामन विधानसभा बिहार की उन सीटों में से है जो हर बार राजनीतिक समीकरण बदल देती है. मुस्लिम बहुल यह इलाका एआईएमआईएम, आरजेडी और जेडीयू के लिए चुनावी रणभूमि बन चुका है.

2010 में राजद (आरजेडी), 2015 में जदयू (जेडीयू) और 2020 में एआईएमआईएम की जीत यह साबित करती है कि यहां का वोटर हर बार नए नतीजे देता है. यही वजह है कि इस बार भी कोचाधामन चुनाव में जबरदस्त सस्पेंस है.

2010 में पहली बार इस सीट पर चुनाव हुआ. आरजेडी उम्मीदवार अख्तरुल इमाम ने जदयू के मुजाहिद आलम को 9,025 वोटों से हराकर इतिहास रचा. इस जीत ने राजद को मुस्लिम वोटबैंक का मजबूत सहारा दिया. 2014 के उपचुनाव में जदयू के मुजाहिद आलम ने एआईएमआईएम के अख्तरुल इमाम को 18,843 वोटों से हराकर सीट पर कब्जा जमाया. 2015 विधानसभा चुनाव में भी जदयू विजयी रहा, इस बार मुजाहिद आलम ने 55,929 वोट लेकर एआईएमआईएम को फिर मात दी.

2020 म एआईएमआईएम की धमाकेदार एंट्री कैसे हुई?- 2020 में कहानी पलटी. एआईएमआईएम उम्मीदवार मोहम्मद इज़हार अस्फी ने 79,893 वोट पाकर जदयू के मुजाहिद आलम को करारी शिकस्त दी. आरजेडी तीसरे नंबर पर रही.

2025 में किसकी होगी वापसी

अब 2025 में बड़ा सवाल यही है कि क्या एआईएमआईएम अपना किला बचा पाएगी, या फिर जदयू-राजद मिलकर उसे चुनौती देंगे . मुस्लिम वोटरों का झुकाव किस ओर होगा, यही इस बार का सबसे बड़ा रहस्य है .

विशेष | महागठबंधन के मास्टरमाइंड प्लान से साधे गए जातीय समीकरण

राजद का एम-वाय, कांग्रेस का 'सवर्ण' दांव

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजते ही सियासी बिसात बिछने लगी है. एनडीए से मुकाबले के लिए महागठबंधन ने अपने उम्मीदवारों के चयन में खास रणनीति अपनाई है. आरजेडी और कांग्रेस ने जहां अपने परंपरागत वोट बैंक को साधने में कोई कसर नहीं छोड़ी है, वहीं सामाजिक समीकरणों को विस्तार देने की भी कोशिश की है.

टिकट बंटवारे की अब तक की सूची में इसकी साफ झलक दिख रही है. राजद ने आधे से ज्यादा टिकट यादवों को दिए हैं, तो कांग्रेस ने 19 सवर्ण उम्मीदवारों पर दांव लगाया है.

महागठबंधन की दोनों प्रमुख पार्टियों ने अपने-अपने आधार को मजबूत किया है. राजद ने अपने मुख्य जनाधार 'मुस्लिम और यादव' (एम-वाय) का पूरा ख्याल रखा है. पार्टी द्वारा घोषित 51 सीटों में से 28 पर यादवों को चुनावी मैदान में उतारा गया है. इसके साथ ही 6 मुस्लिमों को भी टिकट दिया गया है. वहीं, कांग्रेस अपनी खोई जमीन वापस पाने के लिए अपने पुराने वोट बैंक सवर्ण, दलित और मुसलमानों पर भरोसा जता रही है. कांग्रेस ने खुले मन से सवर्णों को टिकट दिए हैं.

अति पिछड़ों पर नजर, नीतीश के गढ़ में सेंध- इस बार महागठबंधन का खास ध्यान अति पिछड़ा वर्ग (इबीसी) को साधने पर है. बिहार में करीब 36 फीसदी आबादी वाले इस वर्ग को एनडीए, खासकर नीतीश कुमार की जदयू का बड़ा वोट बैंक माना जाता है. महागठबंधन शुरू से ही इस वोट बैंक में सेंध लगाने की फिराक में है. इसे लेकर राहुल गांधी ने पटना और राजगीर जैसी जगहों पर इस वर्ग के साथ संवाद भी किया था. यही कारण है कि राजद और कांग्रेस के अलावा वीआईपी और वाम दलों ने भी अति पिछड़ा वर्ग के नेताओं को टिकट देकर तरजीह दी है.

वाम दलों ने ओबीसी-दलित को साधा

महागठबंधन में शामिल वामदलों ने भी अपने समीकरण साधे हैं . लेफ्ट पार्टियों ने 29 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की है, जिनमें सीपीआई माले की 19, सीपीआई की 6 और सीपीएम की 4 सीटें हैं . वाम दलों ने सर्वाधिक 15 टिकट पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के उम्मीदवारों को दिए हैं . इसके अलावा, 8 दलित, 2 अल्पसंख्यक और एक अति पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवार को टिकट सौंपा गया है . सवर्ण समाज से 2 भूमिहार और 1 राजपूत को उम्मीदवार बनाया गया है .